खबर संक्षेप

जिंदा होते हुए भी मृत घोषित!

शहडोल। जिले के ब्यौहारी जनपद के ग्राम बोचरो से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक विकलांग महिला को जिंदा होते हुए भी पंचायत के दस्तावेज़ों में मृत घोषित कर दिया गया। 55 वर्षीय गुलाब कली तिवारी अब अपनी जीवित उपस्थिति साबित करने के लिए कलेक्ट्रेट के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। गुलाब कली एक आंख से देख नहीं पातीं और आर्थिक रूप से कमजोर हैं। उनका कहना है कि पंचायत सचिव, सरपंच और कुछ रिश्तेदारों ने मिलीभगत से उनकी ज़मीन पर कब्जा जमाने की साजिश रची। इसी योजना के तहत उन्हें सरकारी रिकॉर्ड में मृत दिखा दिया गया ताकि उनकी पैतृक ज़मीन दूसरों के नाम कर दी जाए। गुलाब कली के पति रामलाल तिवारी की मृत्यु के बाद संपत्ति का अधिकार उन्हें मिलना था, लेकिन कथित तौर पर भूमाफियाओं और पंचायत तंत्र ने फर्जी दस्तावेज़ तैयार कर उनकी ज़मीन हड़प ली। जब उनके नाती राकेश तिवारी को इस घोटाले की जानकारी मिली तो उसने जनपद और पंचायत में शिकायत की, लेकिन वहां से सिर्फ़ टालमटोल का जवाब मिला। आखिरकार थकी-हारी यह बुजुर्ग महिला अब कलेक्ट्रेट पहुंची है और अधिकारियों से न्याय की गुहार लगा रही है। अपर कलेक्टर सरोधन सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए ब्यौहारी एसडीएम को तत्काल जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में किसी भी हाल में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, पीड़िता को न्याय मिलेगा। इस घटना ने पंचायत तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सवाल यह है कि जब एक जिंदा महिला को मृत दिखाकर ज़मीन हड़प ली जा सकती है, तो गांवों में आमजन का क्या होगा? अब देखना यह होगा कि प्रशासनिक जांच में किसका चेहरा बेनकाब होता है, भूमाफिया का, या सिस्टम का।

नाबालिग बालिका को किया सकुशल बरामद

शहडोल। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में लंबित गुमशुदगी प्रकरणों की दस्तयाबी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत जैतपुर थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने 15 वर्षीय नाबालिग बालिका को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया है। खबर है कि 20 अक्टूबर 2025 को अज्ञात व्यक्ति द्वारा नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर भगाए जाने की शिकायत परिजनों ने थाना जैतपुर में दर्ज कराई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर जांच प्रारंभ की। जांच के दौरान पुलिस टीम ने परिजनों से आवश्यक जानकारी एकत्र की और विभिन्न स्थानों पर पतासाजी की। सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 4 नवंबर 2025 को ग्राम बंधवाटोला, भरुहा थाना जैतपुर क्षेत्र से नाबालिग को सुरक्षित दस्तयाब कर लिया। इसके बाद उसे परिजनों के सुपुर्द किया गया। इस सराहनीय कार्रवाई में थाना प्रभारी जियाउल हक के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक ज्ञानदत्त तिवारी और आरक्षक मालतीलता पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कलेक्टर ने सुनी जनता की समस्याएं

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई, जिसमें जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं प्रस्तुत कीं। ग्राम बंधवाबड़ा निवासी राजेंद्र प्रसाद शुक्ला ने कपिलधारा कूप की मजदूरी और मटेरियल भुगतान, आरती साहू ने आर्थिक सहायता और रोजगार, रमेश प्रसाद मिश्रा ने निःशक्तता प्रमाण पत्र, कमलेश सिंह ने धान नुकसान का मुआवजा, सुरेश कोल ने किसान सम्मान निधि, अनूप सिंह ने ग्रेजुएटी भुगतान, रमेश तिवारी ने अतिक्रमण हटाने तथा शांति तिवारी ने धान गिरदावरी दर्ज कराने की मांग की।

एसईसीएल की लापरवाही से पांच गौवंशों की मौत

सोन नदी तक पहुंचा बारूद मिला पानी

अमलाई की रामपुर बटुरा ओसीएम फिर बनी मौत का मैदान

प्रशासन मौन और प्रबंधन बेपरवाह

शहडोल।

कोयले की काली कमाई अब ज़मीन, पानी और जिंदगी तीनों को निगल रही है। शहडोल जिले के अमलाई थाना क्षेत्र की एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र की रामपुर बटुरा ओपन कास्ट माइंस (ओसीएम) एक बार फिर सुर्खियों में है और इस बार वजह है पांच बेकसूर गौवंशों की दर्दनाक मौत।

खदान से निकलने वाला बारूद युक्त दूषित पानी अब धीरे-धीरे पूरे इलाके में ज़हर बनकर फैल रहा है। अमलाई के रामपुर बस्ती में गुरुवार को पांच गौवंशों की मौत ने पूरे गांव को हिलाकर रख दिया। ग्रामीण सम्हारू बैगा की दो गाय और ननुन्हा बैगा की दो गाय व एक बैल ने खदान के पास बह रहे गोपला नाला का पानी पीने के बाद कुछ ही घंटों में तड़प-तड़पकर दम तोड़ दिया। गांव के लोग गुस्से और दर्द से भरे हुए हैं। एक वृद्ध ग्रामीण की आंखें नम थीं, जब वह बोले हमारी गायें हमारे बच्चों की तरह हैं, लेकि अब यह खदान हमारे घरों में मौत घोल रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यह घटना कोई पहली नहीं है। कुछ महीने पहले भी छह गौवंशों की मौत इसी दूषित पानी से हुई थी, लेकिन उस समय भी एसईसीएल प्रबंधन ने पूरे मामले को दबा दिया था।

कोयले की कीमत पर ज़हर का सौदा

स्थानीय लोगों ने बताया कि रामपुर बटुरा ओसीएम में कोयला उत्पादन के दौरान ब्लास्टिंग में प्रयुक्त बारूद और विस्फोटक रसायन वर्षा और बहाव के साथ आसपास के नालों में घुल जाते हैं। यह जहरीला पानी 24 घंटे खदान से पंप के जरिए गोपला नाले में छोड़ा जाता है, जो कुछ ही दूरी पर कटना नाले से होकर सोन नदी में जा मिलता है। यानि अब यह ज़हर सिर्फ मवेशियों तक सीमित नहीं, बल्कि प्रकृति और मनुष्यों दोनों को अपनी गिरफ्त में ले रहा है।

एसईसीएल की चुप्पी खतरनाक

पांच मवेशियों की मौत के बाद भी एसईसीएल प्रबंधन की चुप्पी और कार्रवाई न होना सबसे बड़ा अपराध बन चुका है। न तो किसी अधिकारी ने मौके का निरीक्षण किया, न ही मवेशी मालिकों को कोई मुआवज़ा दिया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि खदान का अपशिष्ट जल बिना किसी शोधन प्रक्रिया के सीधे नालों में छोड़ा जा रहा है। यह पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 और जल प्रदूषण नियंत्रण कानून 1974 दोनों का खुला उल्लंघन है। एक स्थानीय समाजसेवी ने तीखे लहजे में कहा कि एसईसीएल के अफसर एसी कमरों में बैठकर रिपोर्ट बना रहे हैं, जबकि गांवों में लोग और मवेशी ज़हर पी रहे हैं।

अब सडक़ पर होगा जवाब

घटना के बाद श्री अटल कामधेनु गौसेवक संस्थान ने एसईसीएल प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। संस्थान के संस्थापक राम दुबे ने कहा कि यह कोई दुर्घटना नहीं, बल्कि सीधी हत्या है। खदान का ज़हर हमारे गांवों में छोड़ा जा रहा है। अब अगर कार्रवाई नहीं हुई, तो हम आंदोलन करेंगे। संरक्षक दीपक मांझी, पवन चीनी, जयंत जसवानी और रेस्क्यू प्रभारी शैलेन्द्र सिंह ने संयुक्त बयान में कहा कि कोयले के लालच में एसईसीएल ने हमारे मवेशियों और जलस्रोतों की बलि चढ़ा दी है। अब चुप्पी नहीं चलेगी, जवाब और जवाबदेही दोनों चाहिए। गौसेवकों ने जिला प्रशासन, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और वन विभाग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि जिम्मेदारों पर एफआईआर दर्ज नहीं की गई, तो संस्थान संपूर्ण क्षेत्र में धरना-प्रदर्शन और जनआंदोलन करेगा।

अब खतरे में सोन नदी

पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि खदान से छोड़े जा रहे पानी में नाइट्रेट और अमोनियम कम्पाउंड्स की अधिकता है, जो न केवल जलीय जीवों के लिए घातक हैं, बल्कि मानव शरीर में कैंसर, त्वचा रोग और तंत्रिका तंत्र से जुड़ी बीमारियां पैदा कर सकते हैं। यह दूषित पानी सोन नदी के जलस्त्रोतों में मिलकर पूरे क्षेत्र की पेयजल गुणवत्ता को प्रभावित कर रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक, बारूद मिश्रित पानी में मौजूद तत्व मिट्टी की उर्वरता भी खत्म कर रहे हैं। यानि कोयले के लालच में सिर्फ नदियाँ नहीं, बल्कि खेती, पशु और मानव जीवन सब खतरे में हैं।

प्रशासन की भूमिका पर सवाल

ग्रामीणों का आरोप है कि एसईसीएल की मिलिभगत से प्रशासनिक तंत्र जानबूझकर आंखें मूंदे बैठा है। ना कोई सैंपल जांच, ना कोई सर्वे। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की चुप्पी भी संदेह पैदा कर रही है। ग्रामीणों ने मांग की है कि राज्यस्तरीय जांच समिति गठित कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, साथ ही मृत मवेशियों के मालिकों को उचित मुआवज़ा और प्रभावित क्षेत्र में जल शुद्धिकरण संयंत्र स्थापित किए जाएं।

खदान अब मौत दे रही

गांव के बुजुर्ग भुवन बैगा कहते हैं कि पहले खदान से रोजगार मिलता था, अब यह मौत बांट रही है। कोयले का धुआं और बारूद वाला पानी सब बर्बाद कर चुका है, एसईसीएल की लापरवाही और पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी अब शहडोल की धरती पर जहर बो रही है। यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में यह क्षेत्र पर्यावरणीय आपदा की चपेट में आ सकता है। अमलाई की रामपुर बटुरा ओसीएम अब सिर्फ कोयला नहीं निकाल रही, यह ज़हर उगल रही है और यह ज़हर धीरे-धीरे पूरी धरती को मार रहा है।

'भारत गोल्फ महोत्सव' का भव्य आयोजन 8 और 9 को, शामिल होंगे फिल्म स्टार रणदीप हुड्डा

जबलपुर। दोस्तों, मैं आ रहा हूँ... आपके अपने शहर, संस्कारधानी जबलपुर में... जबलपुर, जो सिर्फ़ संस्कृति और शौर्य का प्रतीक ही नहीं, बल्कि पर्यटन के लिए भी बेहद सुंदर है। दोस्तों, आपको यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि, गोल्फ फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा 'भारत गोल्फ महोत्सव' का एक भव्य आयोजन किया जा रहा है... यह केवल गोल्फ इवेंट नहीं है, बल्की सितंबर, 2025 से जनवरी, 2026 तक भारत के विभिन शहरों में चलने वाली एक गौरव यात्रा है जिसमे गोल्फ फ़ेडरेशन ऑफ़ इंडिया के प्रमुख उद्देशों जैसे वृक्षारोपण, में इन इंडिया का प्रमोशन एवं स्वस्थ जागरूकता आदि से संबंधित गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर शुरू हुए महोत्सव का भव्य समापन 12 जनवरी 2026, स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर होगा।8 और 9 नवम्बर को, शौर्य और संस्कृति की धरा जबलपुर के आर्मी क्षेत्र में, यह गौरवमय कार्यक्रम होने जा रहा है... देश के वीर जवानों के बीच। सम्मान, संस्कृति और संकल्प इस कार्यक्रम में वीर माताओं और वीर नारियों का हृदय से सम्मान होगा। यहाँ, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा, पर्यावरण को बचाने की दिशा में एक प्रयास होगा, हजारों की संख्या में प्लांटेशन और मैरोथन (दौड़) का आयोजन होगा। आइए, वीर सैनिकों के सम्मान में इस कार्यंक्रम में भाग ले, पेड़ लगाकर अपना योगदान दे। मैं इस भव्य आयोजन के लिए... लेफ्टिनेंट जनरल पद्म सिंह शेखावत जी (जिन्हें परम विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया गया है) आर्यवीर जी (जो इस फेडरेशन के फाउंडर हैं) और देश के सभी वीर जवानों को मैं नतमस्तक होकर अपना आभार व्यक्त करता हूँ! जय हिंद, जय भारत, जय हिंद की सेना। मिलते हैं जबलपुर में, भारत के वीर जवानों से ।

नमस्कार संस्कारधानी, मैं हूँ आपका अपना, रणदीप हुड्डा...

अधीक्षक ने रसोईया और चौकीदार दंपत्ति को किया बेरोजगार

महिला ने लगाई न्याय की गुहार

शहडोल

सरकारी छात्रावासों में पदस्थ अधिकारियों की मनमानी और अमानवीय रवैये का एक और उदाहरण सामने आया है। जिले की जनपद गोहपारू के आदिवासी बालक छात्रावास खन्नौधी में पदस्थ अधीक्षक रामेश्वर सिंह कंवर पर एक गरीब दंपत्ति को बिना किसी कारण काम से निकालने का गंभीर आरोप लगा है। फरियादिया सुक्खू कुशवाहा पति तीरथ कुशवाहा ने कलेक्टर एवं जिला बाल कल्याण अधिकारी को शिकायत आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है।

फरियादिया ने बताया कि वर्ष 2024 में तत्कालीन अधीक्षक सत्येन्द्र सिंह ने उन्हें रसोईया और उनके पति तीरथ कुशवाहा को चौकीदार के पद पर रखा था। तब से दोनों ने ईमानदारी से छात्रावास की सेवा की। सुक्खू कुशवाहा बच्चों को खाना बनाकर खिलाती थीं, साफ-सफाई रखती थीं, राशन में कमी होती तो तत्काल सूचना देती थीं। पूरे छात्रावास में उनके काम से कोई असंतुष्ट नहीं था। बावजूद इसके, नए अधीक्षक रामेश्वर सिंह कंवर के पदभार ग्रहण करते ही बिना कोई लिखित कारण बताए दोनों को कार्यमुक्त कर दिया गया।

पीड़िता का कहना है कि अधीक्षक उनसे रंजिशवश व्यवहार कर रहे हैं। अब परिवार के सामने रोज़ी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने जिला प्रशासन से पुनः कार्य पर बहाल किए जाने की मांग की है। आश्चर्य की बात यह है कि स्वयं कार्यालय अधीक्षक, आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास खन्नौधी ने प्रमाणित किया है कि श्रीमती सुक्खू कुशवाहा ने वर्ष 2024 से लेकर अगस्त 2025 तक रसोईया और बाद में जलवाहक के रूप में कार्य किया था। प्रमाण पत्र में स्पष्ट लिखा है कि उनका कार्य एवं आचरण अच्छा रहा और वे अंशकालिक दैनिक मजदूर के रूप में कार्यरत थीं।

इसके बावजूद, अधीक्षक द्वारा मनमाने ढंग से उन्हें निकाल देना प्रशासनिक नियमों और मानवता दोनों का उल्लंघन है। ग्रामीणों ने भी कहा कि सुक्खू और तीरथ दंपत्ति दिन-रात छात्रावास की सेवा करते थे। अब उनकी जगह पर किसे रखा गया है, इसकी जानकारी तक संबंधित विभाग नहीं दे रहा। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि जनजातीय कार्य विभाग और कलेक्टर इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधीक्षक के खिलाफ कार्रवाई करें, ताकि भविष्य में किसी गरीब परिवार के साथ इस तरह का अन्याय न हो।

भगवान झूलेलाल का अपमान करने वाले अमित बघेल के खिलाफ एफआईआर की मांग

अमलाई में सिंधी समाज का आक्रोश फूटा

थाना घेराव कर की नारेबाजी

अमलाई।

रायपुर निवासी अमित बघेल द्वारा सोशल मीडिया पर भगवान झूलेलाल और अग्रसेन महाराज को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में अमलाई में सिंधी समाज का गुस्सा फूट पड़ा। मंगलवार को पूज्य सिंधी पंचायत अमलाई के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में समाजजन सडक़ों पर उतर आए और थाना प्रभारी चचाई को ज्ञापन सौंपकर आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। इस दौरान अमित बघेल मुर्दाबाद, सिंधी समाज जिंदाबाद और भगवान झूलेलाल की जय के नारे गूंज उठे। कार्यक्रम की अगुवाई नगर के लोकप्रिय पार्षद पवन चीनी ने की, जिनके नेतृत्व में विशाल रैली निकाली गई, और थाना प्रभारी चचाई को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि अमित बघेल ने सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी सिंधी कहकर न केवल भगवान झूलेलाल बल्कि सम्पूर्ण सिंधी समाज और अग्र समाज की धार्मिक भावनाओं को आहत किया है।

पार्षद पवन चीनी ने कहा कि हम सिंधी समाज देशभक्त नागरिक हैं, जिन्होंने आज़ादी के लिए बलिदान दिया है। ऐसे व्यक्ति जो धार्मिक उन्माद फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, उन पर राष्ट्रद्रोह की धाराओं में कार्रवाई होनी चाहिए। जब तक अमित बघेल को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा, हमारा आंदोलन जारी रहेगा।

सिंधी पंचायत के अध्यक्ष कैलाश लालवानी ने कहा कि अमित बघेल ने भगवान झूलेलाल का अपमान करके करोड़ों सिंधी समाजजनों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। यह सिर्फ सिंधी समाज का नहीं बल्कि देश की धार्मिक एकता का मामला है, इसलिए पुलिस को तुरंत स्नढ्ढक्र दर्ज करनी चाहिए। वहीं समाज के उपाध्यक्ष भरत छंगानी ने कहा कि यह टिप्पणी समाज में नफरत फैलाने का षड्यंत्र है। सिंधी समाज हमेशा शांति, भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक रहा है। प्रशासन को ऐसे तत्वों पर कठोर कार्रवाई करनी चाहिए।

इस अवसर पर स्थानीय भाजपा नेता अभिषेक गुप्ता के अलावा समाजसेवी अजय दाहिया, सूरज श्रीवास्तव, अजय नामदेव सहित मौजूद रहे। उन्होंने भी कहा कि धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले किसी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाना चाहिए। पुलिस को तुरंत संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई करनी चाहिए। ज्ञापन सौंपने वालों में सिंधी समाज के प्रमुख सदस्य साजन दास लालवानी, संजय लालवानी, विजय लालवानी, जय लालवानी, आलोक, अंश, वंश, वीर लालवानी, अनिल, अमन, शिवम्, संतोष, हनु, अजय वाधवानी, मनीष वाधवानी, बबल, प्रेम, अज्जू, मुरलीधर, कन्हैयालाल, रवि, कमल, राहुल, अमर धामेजा, ओमप्रकाश मंगलानी, विजय गंगवानी, मन्नू भाई सहित अनेक लोग मौजूद थे। महिलाओं की भी भारी भागीदारी रही, जिनमें कविता, किरन, रविषा, तिशा, मंजू, प्रिया, वीरा, पूजा, मीना, लाजवंती, सिया, रेखा, काजल, शशि, वंदना, निकीता, वैष्णवी, लक्ष्मी, कनक, ज्योति गंगवानी आदि प्रमुख थीं।

सैकड़ों की संख्या में मौजूद समाजजनों ने थाना परिसर में जमकर नारेबाजी की और थाना प्रभारी से आरोपी पर एफआईआर की गंभीर धाराओं में धार्मिक उन्माद फैलाने और आस्था भंग करने के आरोप में एफआईआर दर्ज करने की मांग की। इस विरोध प्रदर्शन ने स्पष्ट संदेश दिया कि सिंधी समाज अपने आराध्य भगवान झूलेलाल के सम्मान में किसी भी प्रकार का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा।

गुरु नानक जयंती पर सिंधी समाज द्वारा निकाली गई भव्य प्रभात फेरी: भजन, कीर्तन और श्रद्धा से गूंजा नगर

अमलाई।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर पूज्य सिंधी पंचायत, अमलाई द्वारा एक भव्य प्रभात फेरी का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर समाज के सैकड़ों श्रद्धालु, महिलाएं, पुरुष और बच्चे सुबह-सुबह नगर की गलियों में भक्ति भाव से लीन होकर निकले। प्रभात फेरी में गुरु नानक देव जी की प्रतिमा को सुसज्जित झांकी में स्थापित किया गया था, जिसके साथ गुरु नानक देव जी की जय और झूलेलाल जी की जय के जयकारों से पूरा नगर गूंज उठा।

भोर की बेला में जैसे ही प्रभात फेरी का प्रारंभ हुआ, वातावरण में भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। महिला मंडल ने गुरु भक्ति में डूबकर कीर्तन किए, वहीं बालक-बालिकाओं ने सतनाम वाहे गुरु का पाठ करते हुए श्रद्धा की मिसाल पेश की। युवाओं ने ढोल-मंजीरों की ताल पर भक्ति गीत गाए और समाज के सभी वर्गों ने एक स्वर में गुरु नानक देव जी के उपदेशों को याद किया।

प्रभात फेरी बर्दवान रोड से प्रारंभ होकर मुख्य मार्गों से होती हुई नगर के विभिन्न हिस्सों का भ्रमण करती रही। इस दौरान नगरवासी अपने घरों से बाहर निकलकर श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर रहे थे। प्रभात फेरी का समापन पूज्य सिंधी पंचायत प्रांगण में हुआ, जहां समाजजनों ने एकत्र होकर अरदास की और गुरु नानक देव जी के उपदेशों का स्मरण किया।

पूज्य सिंधी पंचायत के पदाधिकारियों ने बताया कि गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि मानवता, एकता और समानता का संदेश देने वाला दिवस है। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी ने अपने जीवन में हमेशा सत्य, करुणा, सेवा और प्रेम का मार्ग दिखाया। प्रभात फेरी का आयोजन इन्हीं मूल्यों को समाज में स्थापित करने का एक प्रयास है। महिला मंडल की सदस्यों ने भजन-कीर्तन के माध्यम से श्रद्धा और भक्ति का माहौल बनाया। बच्चों ने भी गुरु नानक देव जी के जीवन पर आधारित लघु झांकियां प्रस्तुत कीं, जिन्हें देखकर उपस्थित श्रद्धालुओं ने तालियों की गडग़ड़ाहट से उनका उत्साह बढ़ाया।

इस दौरान अमलाई नगर के अन्य समाजों के लोग भी श्रद्धा भाव से इस आयोजन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं सभी धर्मों और समुदायों को जोडऩे वाली हैं। उनके संदेश आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने सैकड़ों वर्ष पहले थे। पूज्य सिंधी पंचायत अमलाई के इस सफल आयोजन ने न केवल सिंधी समाज को बल्कि पूरे नगर को एकता और श्रद्धा के सूत्र में बांध दिया। अंत में गुरु का लंगर प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने मिलकर प्रेमपूर्वक सहभागिता की। गुरु नानक जयंती का यह आयोजन अमलाई नगर के धार्मिक और सामाजिक जीवन का एक प्रेरणादायी उदाहरण बन गया, जिसने यह संदेश दिया कि भक्ति, सेवा और भाईचारे से ही समाज का वास्तविक उत्थान संभव है।

सीएमओ की मनमानी पर पार्षद ने उठाई आवाज, जांच की मांग

फर्जी बैठक और दबाव की राजनीति

शहडोल। जिले की नगर परिषद जयसिंहनगर में पदस्थ मुख्य नगरपालिका अधिकारी निशांत सिंह ठाकुर पर गंभीर आरोप लगे हैं। भाजपा पार्षद रोशनी गुप्ता ने कलेक्टर को लिखित शिकायत में आरोप लगाया है कि सीएमओ ने शासन के एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव को लेकर पार्षदों को गुमराह किया, फर्जी बैठक का हवाला देकर पिछली तारीख में दस्तावेज तैयार करवाए और हस्ताक्षर करने के लिए दबाव बनाया। मामला सामने आने के बाद नगर परिषद में हडक्रंप मचा हुआ है, वहीं यह सवाल भी उठ खड़ा हुआ है कि आखिर नौकरशाही को इतना बेखौफ किसने बना दिया कि वह सत्ता पक्ष के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों तक को धमकाने से नहीं चूक रही।

शासन के आदेश को लेकर फर्जीवाड़ा

मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने पत्र क्रमांक 2106 दिनांक 08 अक्टूबर 2025 को सभी नगरीय निकायों को निर्देशित किया था कि एक राष्ट्र एक चुनाव, आत्मनिर्भर भारत संकल्प एवं जीएसटी 2.0 रिफॉर्म से संबंधित प्रस्ताव 20 नवम्बर 2025 तक परिषद से पारित कर प्रधानमंत्री कार्यालय नई दिल्ली भेजा जाए, लेकिन जयसिंहनगर नगर परिषद के सीएमओ निशांत सिंह ठाकुर द्वारा इस पर समय पर न तो बैठक बुलाई गई, न ही प्रस्ताव तैयार कर शासन को

भेजा गया। जब वरिष्ठ कार्यालयों से फोन आने लगे और प्रस्ताव की स्थिति पूछी गई, तब आनन-फानन में 28 अक्टूबर 2025 को सीएमओ ने कुछ पार्षदों को बुलाया और 17 अक्टूबर 2025 की तारीख में फर्जी बैठक दिखाते हुए हस्ताक्षर कराने की कोशिश की।

हस्ताक्षर का दबाव और धमकी

शिकायतकर्ता भाजपा पार्षद रोशनी गुप्ता के अनुसार, जब उन्होंने फर्जी तारीख पर हस्ताक्षर करने से इंकार किया तो सीएमओ ने न केवल उन पर दबाव बनाया, बल्कि उनके पति पंकज गुप्ता के पास कर्मचारियों को भेजकर उनसे जबरदस्ती हस्ताक्षर करवाने की कोशिश की। पार्षद ने बताया कि इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज उनके पास मौजूद है। पार्षद के मना करने पर सीएमओ द्वारा उनके खिलाफ भ्रामक जानकारी फैलाई गई, ताकि उन्हें प्रस्ताव के विरोधी के रूप में दिखाया जा सके। बाद में जब अन्य पार्षदों से जानकारी ली गई, तो कई ने माना कि बैठक कभी हुई ही नहीं, सीएमओ ने हमसे झूठ बोलकर हस्ताक्षर करवाए, यह बात खुद कुछ पार्षदों ने स्वीकार की।

दोहरी कार्रवाई से बढ़ी शंका

विवाद बढने पर नगर परिषद अध्यक्ष और कुछ पार्षदों ने सीएमओ से सवाल किया, तो उन्होंने बिना किसी औपचारिक जवाब के 2 नवम्बर 2025 को एक नया एजेंडा जारी कर दिया। इसमें 17 अक्टूबर की कथित फर्जी बैठक में पारित प्रस्ताव को फिर से पुनर्विचार के लिए रखा गया। सवाल यह है कि अगर बैठक पहले से हुई थी, तो फिर दोबारा उसी प्रस्ताव पर विचार क्यों? और अगर नहीं हुई थी, तो फर्जी तारीख का इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया गया?

नौकरशाही का बढ़ता दबदबा

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि यह विवाद किसी विपक्षी दल का नहीं, बल्कि सत्ताधारी दल की पार्षद के साथ हुआ है। रोशनी गुप्ता भारतीय जनता पार्टी से पार्षद हैं और फिर भी उन्हें सीएमओ

के दबाव और धमकी का सामना करना पड़ा। इससे साफ जाहिर होता है कि जिले में नौकरशाही का दबदबा इस कदर बढ़ चुका है कि अब निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की आवाज तक दबाई जा रही है। स्थानीय राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि जयसिंहनगर नगर परिषद में लंबे समय से प्रशासनिक मनमानी का माहौल बना हुआ है। सीएमओ के खिलाफ पहले भी पारदर्शिता और पक्षपात को लेकर सवाल उठ चुके हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई अब तक नहीं हुई।

कलेक्टर से न्यायिक जांच की मांग

पार्षद रोशनी गुप्ता ने अपनी शिकायत में स्पष्ट कहा है कि सीएमओ निशांत सिंह ठाकुर द्वारा किया गया यह कृत्य न केवल पदीय दायित्वों का उल्लंघन है, बल्कि शासन की मंशा के विपरीत भी है। उन्होंने कलेक्टर से घटनाक्रम की विस्तृत जांच कर न्यायोचित कार्रवाई की मांग की है। इस मामले ने अब राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। भाजपा संगठन के स्थानीय पदाधिकारी भी इस पर नजर बनाए हुए हैं। सूत्रों के अनुसार, यदि जिला प्रशासन ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की तो यह मुद्दा प्रदेश स्तर तक पहुंच सकता है।

जनता के प्रतिनिधि बनाम बाबू राज

जयसिंहनगर की यह घटना लोकतांत्रिक ढांचे के लिए एक चेतावनी है , जहां जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को सरकारी अफसर गुमराह करें, धमकाएं और फर्जी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवाएं, वहां शासन-प्रशासन की नीयत पर सवाल उठना लाजिमी है। जनता यह जानना चाहती है कि आखिर ऐसे अफसरों के खिलाफ कब सख्त कदम उठाए जाएंगे जो कुर्सी के अहंकार में जनप्रतिनिधियों की गरिमा तक भूल चुके हैं। अगर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो यह प्रकरण केवल एक पार्षद का नहीं रहेगा, यह अधिकार बनाम अहंकार की बड़ी लड़ाई का प्रतीक बन जाएगा।

खबर संक्षेप

जनजातीय गौरव दिवस पर 15 नवंबर तक होंगे भव्य आयोजन

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती के समापन वर्ष के अवसर पर जिले में 1 से 15 नवंबर 2025 तक जनजातीय गौरव दिवस के अंतर्गत विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि निर्धारित कैलेंडर के अनुसार प्रत्येक दिन कार्यक्रम सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक एवं सभी जनपद पंचायत सीईओ को कहा कि आयोजनों में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए कि कार्यक्रमों में भगवान बिरसा मुण्डा के जीवन, संघर्ष और आदिवासी समाज के योगदान पर विशेष प्रकाश डाला जाए ताकि नई पीढ़ी उनके आदर्शों से प्रेरणा ले सके।

10 फरवरी को फायलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम

उमरिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही. एस. चंदेल ने बताया कि भारत सरकार व्दारा फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम 10 फरवरी से आयोजित किया जाना है । व्ही बी डी सी पी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन भोपाल द्वारा गौरव मिश्रा जिला समन्वयक पीसीटी को जिले मे फाइलेरिया से संबंधी जागरूकता एवं विभागीय समन्वय को तेजी प्रदान करने हेतु पदस्थ किया है ।

13 दिसंबर को नेशनल लोक अदालत

उमरिया। न्यायाधीश, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 दिसंबर को किया गया है।लोक अदालत में न्यायिक प्रकरण आपराधिक, सिविल,श्रम, मोटरयान दुर्घटना क्षति दावा प्रकरण, कुटुम्ब,न्यायालय के लंबित, प्रिलिटिगेशन के समझौता योग्य प्रिलिटिगेशन के रूप में सभी बैंको के प्रकरण , नगर पालिका समकेतिक कर एवं जलकर एवं विद्युत प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा । प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश उमरिया ने अधिवक्ताओ एवं आम जन मानस से अपील की है कि आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाएं ।

कृषक पुरस्कार से सम्मानित होंगे जिले के किसान

उमरिया। परियोजना संचालक आत्मा ने बताया कि सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सबटेंशन आत्मा योजनान्तर्गत जिले के सर्वोच्च उत्पादकता हासिल करने वाले कृषकों को जिला स्तर पर व कृषक ब्लाक स्तर पर सर्वोत्तम कृषकों को सम्मानित किया जाना प्रस्तावित है। सम्मान 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर किसानों को दिया जाना है। उन्होने बताया कि जिले के तीनों विकासखण्डों से एक-एक किसान को सर्वोच्च उत्पादकता पुरस्कार दिया जाएगा जिले के समस्त उत्साही व प्रगतिशील कृषकों (जिसमें कृषि, मत्स्य,उद्यानिकी, पशुपालन, कृषि अभियांत्रिकी) से अपेक्षा है, कि वे अपने क्षेत्र अंतर्गत कार्यरत कृषि विस्तासर अधिकारी या सीधे वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय से संपर्क कर आवेदन प्राप्त कर निर्धारित प्रपत्र में आवेदन कर सकतें है। किसान अपने आवेदन संबंधित विकासखण्ड कार्यालय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकासखण्ड करकेली/ मानपुर/पाली में 15 नवम्बर 2025 तक जमा कर सकते है । नियत तिथि के बाद प्राप्ज आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। किसान भाई अधिक जानकारी हेतु कार्यालय परियोजना संचालक आत्मा समिति जिला उमरिया के कार्यालयीन समय में एवं दूरभाष क्रमांक 07653-222421 पर संपर्क कर सकते है।

शादी का झांसा देकर संबंध, फिर गर्भपात

जेल पहुंचा आरोपी युवक

उमरिया। कोतवाली थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक युवती ने युवक पर शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने और गर्भपात कराने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता बीते तीन वर्षों से शहर में घरेलू कार्य कर अपना जीवनयापन कर रही थी। इसी दौरान उसकी पहचान एक युवक से हुई, जो उसके रहने और खाने की व्यवस्था में मदद करता था। धीरे-धीरे संबंध घनिष्ठ हुए और जनवरी 2023 में युवक ने शादी का वादा कर संबंध बनाए। युवती का कहना है कि जब यह बात युवक के परिवार को पता चली, तो उन्होंने विरोध किया और मामला कुछ समय के लिए शांत हो गया। इसके बाद फरवरी 2025 में युवक ने फिर शादी का भरोसा दिलाते हुए संबंध बनाए, जिससे युवती गर्भवती हो गई। आरोप है कि जून में युवक ने उसे गर्भपात की दवा दी, जिसके बाद गर्भ गिर गया। युवती ने उस समय शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन युवक के विवाह के आश्वासन पर उसने मामला वापस ले लिया।जुलाई में आरोपी फिर युवती के पास आया और एक बार फिर संबंध बनाए, जिससे वह दोबारा गर्भवती हो गई। जब युवती ने शादी की बात की, तो आरोपी ने साफ इनकार कर दिया और उसे अपमानित किया। अंततः युवती ने फिर से पुलिस का दरवाजा खटखटाया।एसडीओपी डॉ. नागेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है। पुलिस ने पीड़िता को सुरक्षा और कानूनी सहायता उपलब्ध कराई है।

दस्तावेज अनुरूप उचित मुद्रांक शुल्क अदा करने के निर्देश

उमरिया। कलेक्टर ऑफ स्टाम्प एवं जिला पंजीयक ने समस्त सेवा प्रदाता एवं संबंधित व्यक्ति, संस्थाओ से कहा है कि शासन के राजस्व को दृष्टिगत रखते हुए शासन के निर्देशानुसार दस्तावेज अनुरूप उचित मुद्रांक शुल्क अदा किया जाए । यदि किसी भी सेवा प्रदाता , स्टाम्प वेंडर व्दारा शासकीय निर्देशो की अव्हेलना की जाकर शासकीय राजस्व को क्षति पहुंचाई जाती है तो दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी ।

नगरीय निकाय स्तरीय वोटर हेल्प डेस्क स्थापित

उमरिया। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी म.प्र. भोपाल व्दारा अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के मान से निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण, 2026 कार्यक्रम जारी किया गया है। जारी कार्यक्रम अनुसार 4 नवंबर 2025 से 7 फरवरी 2026 तक विशेष गहन पुनरीक्षण,2026 (एसआईआर) का कार्य संपादित किया जाना है।

इन्युमरेशन पीरियड में बीएलओ द्वारा प्रत्येक मतदाता के घर-घर भ्रमण कर प्री-प्रिंटेड इन्युमरेशन फार्म का वितरण किया जावेगा,जिसे मतदाता द्वारा भरकर बीएलओ को वापस करना होगा। इन्युमरेशन फार्म में मतदाता को वर्ष 2003 की निर्वाचक नामावली में उनका नाम अथवा उनके माता-पिता अथवा दादा-दादी के नाम विवरण दर्ज करने की आवश्यकता पड़ेगी। अन्य राज्यों से जिले में आने वाले मतदाताओं के लिए भी यह विवरण दर्ज करना आवश्यक रहेगा।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन ने आम मतदाताओ की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए जिला स्तर पर एस आई आर के संबंध में जानकारी देने,इन्युमरेशन फार्म को भरने मे सहायता करने, वर्ष 2003 की नामावली मे उनका अथवा उनके परिजनों के नाम का विवरण ढूढने मे उनका सहयोग करने हेतु नगरीय निकाय स्तरीय वोटर हेल्प डेस्क स्थापित किया जाकर उसके संचालन हेतु कर्मचारियो की ड्यूटी लगाई है । जिसके लिए तकनीकी कर्मचारी में उपयंत्री नगरीय निकाय, डाटा इंट्री ऑपरेटर नगरीय निकाय तथा गैर तकनीकी में राजस्व निरीक्षक, सहायक राजस्व निरीक्षक तथा आंगनबाडी कार्यकर्ता शामिल है ।

उन्होने कहा है कि तकनीकी कर्मचारी अपने लेपटॉप/टैब डेस्कटॉप के साथ 4 नवंबर 2025 से 4 दिसंबर 2025 तक समय प्रातः 10 बजे से सायं 6 बजे तक संबंधित नगरीय निकाय नगर पालिका, नगर परिषद भवन में उपस्थित रहकर निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण,2026 अथवा इन्युमरेशन फार्म के संबंध में कठिनाई लेकर नगर पालिका,नगर परिषद भवन में आने वाले अधिक से अधिक मतदाताओं को सहायता उपलब्ध करायेगें तथा गैर तकनीकी कर्मचारी मतदाता को वर्ष 2003 की निर्वाचक नामावली में उनका नाम अथवा उनके माता-पिता अथवा दादा-दादी खोजने में सहायता प्रदान करना सुनिश्चित करेंगे।

कंचन खुली खदान में भडक़ा ड्राइवरों का जन आंदोलन

कंपनियों के खिलाफ गरजे चालक, जब तक हक नहीं मिलेगा, आंदोलन जारी रहेगा

उमरिया। एसीसीएल जोहिला क्षेत्र की कंचन खुली खदान में वर्षों से चल रहे शोषण, मनमानी और असमान भुगतान के खिलाफ आखिरकार ड्राइवरों का सब्र जवाब दे गया। मध्य प्रदेश ड्राइवर महासंघ के बैनर तले 4 नवंबर से गुमशुदा चौराहे पर ड्राइवरों ने जन आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। आंदोलन का नेतृत्व महासंघ के जिला अध्यक्ष राजकुमार रैदास कर रहे हैं, जबकि जिला महासचिव मोहन यादव और उपाध्यक्ष रामकिशोर साहू मोर्चा संभाले हुए हैं।ड्राइवर महासंघ का आरोप है कि बघेल ट्रांसपोर्ट, साई ट्रांसपोर्ट, एसीसी ट्रांसपोर्ट सहित अन्य कंपनियां खदान में कार्यरत ड्राइवरों से लगातार 12 घंटे से अधिक काम करवा रही हैं, लेकिन न तो समय पर वेतन दिया जा रहा है, न बोनस, न एरियर, और न ही वेतनवृद्धि की कोई व्यवस्था की गई है। इतना ही नहीं, विरोध करने पर ड्राइवरों को नौकरी से निकालने और बाहर के ड्राइवर लाकर काम कराने की धमकी दी जा रही है। 'घ ने बताया कि पिछले तीन वर्षों से लगातार जिला प्रशासन और एसीसीएल प्रबंधन को पत्रों के माध्यम से शोषण की जानकारी दी गई, मगर किसी स्तर पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। अब हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि ड्राइवरों को सडक़ पर उतरकर अपनी आवाज बुलंद करनी पड़ी है। आंदोलनकारियों का कहना है कि जब तक उनकी जायज मांगें पूरी नहीं होतीं, वे आंदोलन से पीछे नहीं हटेंगे।दोलन स्थल पर शहडोल, बुढ़ार, मैहर, सतना और डिंडोरी समेत आसपास के जिलों से भी सैकड़ों की संख्या में ड्राइवर पहुंचे हैं। सभी ने एकजुट होकर खदान प्रबंधन और संबंधित ट्रांसपोर्ट कंपनियों के खिलाफ नारेबाजी की और शोषण बंद करो - हक दो, न्याय दो के नारे लगाए। संगठन मंत्री विकास सिंह और सोशल मीडिया प्रभारी राम अंकित सिंह ने कहा कि ड्राइवरों की मेहनत पर कंपनियां करोड़ों का मुनाफा कमा रही हैं, लेकिन बदले में उन्हें दो वक्त की रोटी तक के लाले पड़ रहे हैं। इधर आंदोलन को राष्ट्रीय दलित आदिवासी महासंघ का भी समर्थन मिला है। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष संजय भारती ने आंदोलन स्थल पहुंचकर कहा कि कंपनियों ने श्रम कानूनों की धज्जियां उड़ा रखी हैं। ठेकेदार और अधिकारी मिलकर ड्राइवरों का शोषण कर रहे हैं, जबकि श्रम विभाग के अफसर तमाशबीन बने हुए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जल्द ही ड्राइवरों की मांगें नहीं मानीं, तो राष्ट्रीय दलित आदिवासी महासंघ भी जिला स्तर पर वृहद आंदोलन करेगा।ड्राइवर महासंघ की प्रमुख मांगों में न्यायोचित वेतन, समय पर भुगतान, बोनस, एरियर, कार्य अवधि सीमित करना, और श्रम कानूनों का पालन सुनिश्चित करना शामिल है। आंदोलनकारी नेताओं ने कहा कि वे अब कोई समझौता नहीं करेंगे। हमारा खून-पसीना खदान की मिट्टी में रचा-बसा है, लेकिन हमें मजदूर नहीं, गुलाम समझा जा रहा है। अब यह अन्याय नहीं चलेगा, यह कहते हुए सैकड़ों ड्राइवरों ने खदान परिसर में प्रदर्शन किया।आंदोलन को देखते हुए प्रशासन भी सतर्क हो गया है, लेकिन अभी तक कंपनियों की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ड्राइवर महासंघ ने स्पष्ट कर दिया है कि अगर उनकी मांगें जल्द नहीं मानी गईं, तो आंदोलन का दायरा जिले से प्रदेश स्तर तक बढ़ाया जाएगा।

मप्र स्थापना दिवस पर भालूमाड़ा में हुआ सांस्कृतिक उत्सव

हरिभूमि न्यूजजमुना/बदरा। पसान पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल भालूमाड़ा में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस हर्ष एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पसान मंडल के अध्यक्ष अजय द्विवेदी द्वारा विद्यालय परिसर में स्थित भारत माता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर की गई। इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों तथा शिक्षकों ने मध्यप्रदेश गान प्रस्तुत कर प्रदेश की गौरवमयी सांस्कृतिक परंपरा को नमन किया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय में चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई रंगोलियों एवं चित्रों में प्रदेश की संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत और विकास की झलक दिखाई दी। मंडल अध्यक्ष अजय द्विवेदी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम श्री स्कूल के रूप में विद्यालय का चयन होना अत्यंत गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि इससे विद्यालय में शिक्षण व्यवस्था, संसाधन, नवाचार आधारित गतिविधियाँ तथा समग्र शैक्षणिक गुणवत्ता में उल्लेखनीय विकास होगा। उन्होंने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने, अनुशासन का पालन करने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य सतीश प्रताप सिंह ने कहा कि पीएम श्री योजना के अंतर्गत विद्यालय को उत्कृष्ट शिक्षा मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा तथा छात्रों को उन्नत शिक्षण सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी। इस दौरान शिक्षक लक्ष्मीनाथ तिवारी, सुधा शुक्ला, कंचन, संतोष एवं देवेंद्र तिवारी सहित अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ मौजूद रहे। सभी शिक्षकों और अभिभावकों के सहयोग से कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ

धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई गई गुरु नानक देव जी की 556वीं

हरिभूमि न्यूजकोतमा। नगर के गुरुद्वारों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी, जिन्होंने सच्ची श्रद्धा के साथ इस पवित्र पर्व को मनाया। इस अवसर पर कोतमा नगर में सुबह से विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें अमृत बेला मे प्रभात फेरी निकाली गई जो नगर के मुख्य मार्गो मे भ्रमण करते हुए वापस गुरुद्वारा पहुंची। प्रभात फेरी का नगर में समाज के द्वारा फूलो से स्वागत किया गया। उसके पश्चात कीर्तन,अरदास आरती गुरुबाणी पाठ और लंगर का आयोजन प्रमुख रहा। सुबह-सुबह गुरुद्वारों से 'प्रभात फेरी' निकाली गई, जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालु

शामिल हुए। सिर पर केसरिया पगड़ी, हाथों में निशान साहिब और गले में श्वेत वस्त्र धारण किए हुए श्रद्धालु पूरे जोश और भक्ति के साथ 'वाहेगुरु' और 'सतनाम' के जयकारे लगाते पुष्प वर्षा करते हुए चलते गए। प्रभात फेरी के दौरान पूरे शहर का वातावरण भक्तिमय हो गया, जिसके बाद गुरुद्वारा मे विशेष कीर्तन दरबार सजाया गया। जहां रागियों ने गुरुवाणी का पाठ किया। इस दौरान भक्तों ने सामूहिक रूप से शबद-कीर्तन गाते हुए गुरु नानक देव जी की शिक्षा का स्मरण किया। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने बताया कि इस अवसर पर नगर के गुरुद्वारा में विशेष कार्यक्रम आयोजित हुए। नगर सहित कोयलांचल क्षेत्र के सभी गुरुद्वारों को रंग-बिरंगी लाइटों, फूलों, और सजावटी झूमरों से सजाया गया था। धार्मिक कार्यक्रमों के बाद गुरुद्वारों में लंगर का आयोजन किया गया। गुरुद्वारों में शबद-कीर्तन के साथ-साथ गुरुवाणी के प्रवचन सुनाए गए। जिसमें गुरु नानक देव जी के जीवन और उनकी शिक्षाओं पर प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने बताया कि गुरु नानक देव जी ने नाम जपो, किरत करो और वंड छको' का संदेश दिया। जो आज के समाज में भी उतना ही प्रासंगिक है।

गुरुनानक जयंती पर भक्ति और सेवा का संगम

गुरु का लंगर 9 नवम्बर को, जमुना कॉलरी में होगा भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज जमुना/बदरा। सतगुरु नानक देव के जी प्रकाश पर्व के अवसर पर गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, जमुना कॉलरी में इस वर्ष भी श्रद्धा और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिलेगा। गुरुनानक देव जी की जयंती 9 नवम्बर, दिन रविवार को बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई जाएगी। इस पावन अवसर पर 7 नवम्बर शुक्रवार से पाठ कीर्तन का शुभारंभ होगा, जिसका समापन 9 नवम्बर दिन रविवार को गुरु के लंगर के साथ किया जाएगा। संगत के लिए विशेष कीर्तन

दरबार का आयोजन किया गया है जिसमें हरमनजीत सिंह अमृतसर वाले अपनी मधुर वाणी में गुरुबाणी कीर्तन द्वारा वातावरण को भक्ति और आनंद से भर देंगे। इस अवसर पर भक्त सुखविंदर सिंह निवासी जमुना कॉलरी ने सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि वे बड़ी संख्या में पहुँचकर गुरुनानक देव जी के पावन प्रकाश पर्व का पूर्ण लाभ लें और गुरु का लंगर ग्रहण कर आशीर्वाद प्राप्त करें।

गौरतलब है कि गुरुनानक देव जी ने 15वीं शताब्दी में समाज में व्याप्त अंधविश्वास, भेदभाव और अन्याय के खिलाफ प्रेम, समानता और मानवता का संदेश दिया था। उनके उपदेश आज भी विश्वभर में शांति और एकता का मार्ग प्रशस्त करते हैं। गुरुनानक जयंती के पावन पर्व पर गुरुद्वारा प्रांगण भक्ति, सेवा और प्रकाश से आलोकित रहेगा संगत को दिव्य अनुभव और आत्मिक शांति की अनुभूति होगी।

मां ज्वालामुखी तालाब में आस्था का सैलाब उमड़ा, हजारों श्रद्धालुओं ने किया दीपदान

धनपुरी। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर मां ज्वालामुखी मंदिर परिसर और तालाब में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। सोमवार की शाम जैसे ही सूर्य अस्त हुआ, वैसे ही तालाब की लहरों पर हजारों दीपों की ज्योति झिलमिलाने लगी। महिला-पुरुषों और बच्चों ने मिलकर मां ज्वालामुखी के चरणों में दीपदान कर पुण्य अर्जित किया।शाम 5 बजे से ही भक्तों का हुजूम मां ज्वालामुखी मंदिर और तालाब की ओर बढ़ने लगा था। पूरे क्षेत्र में "जय मां ज्वालामुखी" के जयघोष गूंज उठे। तालाब के चारों ओर दीयों की कतारें लगाई गईं, जिससे पूरा परिसर आलोकित हो उठा। श्रद्धालुओं ने परिवार सहित दीपदान करते हुए मां से सुख-समृद्धि और परिवार के कल्याण की कामना की।दीपदान का यह अनुष्ठान रात 8 बजे तक चलता रहा। तालाब की जलधारा में तैरते दीपों का दृश्य किसी दिव्य लोक से कम नहीं लग रहा था। आसपास के गांवों और शहरों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। मंदिर परिसर में भक्तों के लिए प्रसाद वितरण एवं भजन-कीर्तन का आयोजन भी किया गया। कार्तिक पूर्णिमा को मां ज्वालामुखी मंदिर में दीपदान करने की परंपरा वर्षों से चली आ रही है। मान्यता है कि इस दिन तालाब में दीप प्रवाहित करने से मनोवांछित फल प्राप्त होते हैं।

खबर संक्षेप

24 घंटे में चोरी गई बाइक बरामद, आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। जिले की धनपुरी पुलिस ने तेज़ कार्रवाई करते हुए मात्र 24 घंटे के भीतर चोरी हुई मोटरसाइकिल बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला 2 नवम्बर का है, जब फरियादी अपनी मोटरसाइकिल से सब्ज़ी खरीदने धनपुरी बाजार गया था। उसने वाहन को अनुष्का ज्वेलर्स के सामने ट्रांसफार्मर के नीचे खड़ा किया था, लेकिन शाम को लौटने पर बाइक गायब मिली। फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए धारा 379 भादंवि के तहत मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। थाना प्रभारी खेमसिंह पेन्द्रो के निर्देशन में टीम ने क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया। तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर पुलिस ने संदिग्ध की तलाश तेज की और 3 नवम्बर को आरोपी मुकेश पाल उम्र 28 वर्ष निवासी पुरानी पुलिस चौकी के पास, धनपुरी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई है। उसे 4 नवम्बर को न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्रवाई में एसडीओपी धनपुरी, सहायक उपनिरीक्षक भूपेन्द्र सिंह, रामनाथ, दिनेश सिंह, आरक्षक सतवंत और कोमल की भूमिका रही।

सट्टा खिलाते पकड़ा गया आरोपी, एक फरार

शहडोल। जिले की खैरहा पुलिस ने सट्टा एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस को 3 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम अर्झुला मंगली बाजार के पास मुख्य सडक़ किनारे एक व्यक्ति हार-जीत के अंकों में सट्टा खेला रहा है।थाना प्रभारी उमाशंकर चतुर्वेदी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और लालजी जायसवाल उर्फ राहुल उम्र 37 वर्ष निवासी सिरौंजा को दबोच लिया। उसके पास से रियलमी मोबाइल, सट्टा पर्ची, कार्बन पेपर, एक पेन और 1500 नगद बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह संजय जायसवाल निवासी सिरौंजा के कहने पर सट्टा पर्ची काटता था। पुलिस ने दोनों के विरुद्ध मध्य प्रदेश जुआ (सट्टा) अधिनियम एवं संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। फरार आरोपी संजय जायसवाल की तलाश के लिए पुलिस ने दबिश दी, किंतु वह घर पर नहीं मिला। इस कार्रवाई में प्रधान आरक्षक पवन शुक्ला, रामशरण दीवान, नरेन्द्र सिंह, संतोष धुर्वे, जवाहर सिंह और संजय सिंह की भूमिका रही।

वृद्ध ने नाबालिग से की घिनौनी हरकत

शहडोल। जिले के सोहागपुर थाना क्षेत्र से इंसानियत को शर्मसार करने वाली शर्मनाक घटना सामने आई है, जहां 65 वर्षीय वृद्ध ने पड़ोस में रहने वाली एक 10 वर्षीय बच्ची के साथ टॉफी का लालच देकर जबरन दुष्कर्म किया, आरोपी वृद्ध का बच्ची के घर आना-जाना था और वह अक्सर उसे 5-10 रुपए या टॉफी के पैसे दिया करता था। इसी भरोसे का फायदा उठाते हुए उसने बच्ची को अपने घर ले गया, जहां वह उसके साथ गलत काम कर रहा था, तभी बच्ची की सहेलियां वहां पहुंच गई, बच्चियों को देखकर वह सहम गया, इसी मौकें का फायदा उठाकर बच्ची उसके चंगुल से भाग निकली, तभी अन्य बच्चियों ने इस घटना की जानकारी अपने-अपने घरों में दी ,तब जाकर उस पीड़ित बच्ची के परिवारजनो को भी इसकी जानकारी लगी तो, उन्होंने मामले की शिकायत थाने में की। सोहागपुर थाना प्रभारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की और आरोपी वृद्ध को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने बच्ची की मेडिकल जांच कराई है और आगे की जांच में जुट गई है। सोहागपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। फिलहाल आरोपी को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

इनका कहना है....

पड़ोस में रहने वाला एक 65 वर्षीय व्यक्ति ने 10 वर्षीय बच्ची के साथ गलत काम किया है, ऐसी शिकायत आने पर मामला दर्ज कर कार्यवाही करते हुए आरोपी को हिरासत लेकर पूछताछ की जा रही है।

भूपेंद्र मणि पांडेय
थाना प्रभारी, सोहागपुर

24 साल से 'कागज़ी' ट्रस्ट अब फिर सक्रिय

गोहपारू में सरकारी काम पर निजी दखल की तैयारी!

शहडोल। जिले में वर्षों से कागज़ों पर सक्रिय बताई जाने वाली संस्था इंडिया हेल्थ एक्शन ट्रस्ट (आईएचएटी) एक बार फिर सुर्खियों में है। सरकारी रिकॉर्ड में इसकी मौजूदगी करीब दो दशक पुरानी मानी जाती है, लेकिन धरातल पर इसकी उपलब्धियों का कोई ठोस प्रमाण अब तक सामने नहीं आया। अब यही संस्था गोहपारू विकासखंड में सहयोग के नाम पर फिर से उतरने की तैयारी में है, जबकि वहां पहले से ही सरकारी टीमों का प्रदर्शन प्रदेश स्तर पर सराहा जा चुका है। स्वास्थ्य विभाग के सूत्र बताते हैं कि संस्था लंबे समय से साक्ष्य आधारित स्वास्थ्य कार्यक्रमों और मातृ-शिशु स्वास्थ्य सुधार योजनाओं से जुड़ी रही है। इसके नाम पर करोड़ों के फंड विभिन्न फाउंडेशनों से आए, पर जिले के ग्रामीण इलाकों में संस्था की गतिविधियां कभी स्पष्ट नहीं दिखीं। बताया जाता है कि 2025 में प्रमुख फंडिंग संस्था एचसीएल फाउंडेशन ने इसे अनुदान देना बंद कर दिया था। इसके बाद, कहा जा रहा है कि आईएचएटी ने किसी अन्य सहयोगी फाउंडेशन के सहारे जिले में दोबारा सक्रिय होने की योजना बनाई है।

दिलचस्प बात यह है कि बिना विभागीय जानकारी के ही संस्था ने 12 अक्टूबर को कर्मचारियों की भर्ती का विज्ञापन जारी किया और 15 अक्टूबर तक चयन प्रक्रिया भी पूरी कर ली। न तो मुख्यालय को जानकारी दी गई, न ही स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों को। अब यही संस्था 6 नवंबर को होटल त्रिदेव, शहडोल में एक कार्यशाला आयोजित कर रही है, जिसमें

विभागीय कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य कर दी गई है।

सूत्र बताते हैं कि संस्था ने विभिन्न सीएचसी में मिनी स्किल लैब नाम से प्रशिक्षण केंद्र शुरू किए थे, लेकिन हाल ही में जब भोपाल से निरीक्षण टीम पहुंची, तो वास्तविक स्थिति उम्मीद से बिल्कुल अलग निकली। निरीक्षण के दौरान जिस व्यक्ति को ट्रेनिंग देने के लिए जिम्मेदार बताया गया था, उसे टीम ने पहले खुद प्रशिक्षण लेने की सलाह दे दी।

इस पूरी व्यवस्था ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं, जब किसी क्षेत्र में सरकारी दल पहले ही 100 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर चुका है, तो फिर बाहरी संस्था की भूमिका की जरूरत क्या है? गौरतलब है कि गोहपारू विकासखंड में नीति आयोग के 6 में से 5 संकेतकों पर शत-प्रतिशत सफलता हासिल की गई थी, जिसके लिए कलेक्टर डॉ. केदार सिंह एवं स्वास्थ्य अमले को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अब निजी संस्थाएं सरकारी उपलब्धियों पर अपनी मुहर लगाने की कोशिश में जुटी हैं, ताकि भविष्य में फंड हासिल करने के लिए सफल प्रोजेक्ट का हवाला दिया जा सके। कई जानकारों का मानना है कि ऐसे प्रयोग पारदर्शिता और जवाबदेही, दोनों पर प्रश्न खड़े करते हैं। स्वास्थ्य विभाग के कुछ अधिकारी ऑफ रिकॉर्ड बताते हैं कि जिला प्रशासन ने अब तक संस्था के वास्तविक कामकाज की स्वतंत्र जांच नहीं कराई है। न ही यह स्पष्ट किया गया है कि संस्था किन मापदंडों पर सरकारी बैठकों और कार्यक्रमों में भागीदारी कर रही है।जिले के जानकार नागरिकों का मानना है कि सरकारी मंचों और होटल सभागारों में बाहरी संस्थाओं की मौजूदगी तब तक जायज नहीं मानी जा सकती, जब तक उनके कार्यों और फंडिंग की पूरी पारदर्शिता सार्वजनिक न हो। अन्यथा, यह स्थिति भविष्य में गंभीर भ्रम और अव्यवस्था पैदा कर सकती है।स्वास्थ्य विभाग की नीतियां स्पष्ट हैं कि किसी भी निजी संस्था को केवल तभी अनुमति दी जा सकती है जब उसका काम पारदर्शी हो और विभागीय नियंत्रण में हो, लेकिन जब सूचना तंत्र ही मौन हो जाए, तो जनविश्वास पर असर पडऩा स्वाभाविक है। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन इस पूरे प्रकरण पर क्या रुख अपनाता है। क्या इस तथाकथित 'स्वास्थ्य सुधार अभियान' की सच्चाई सामने लाई जाएगी, या फिर एक बार फिर फाइलों में योजनाएं सक्रिय और ज़मीन पर गायब नज़र आएंगी? जनता यही जानना चाहती है कि आखिर कब तक सरकारी सफलता की चमक पर निजी मुहर लगाई जाती रहेगी।

गुप्ता जी के मकान में नशे और जुए का अड्डा सक्रिय

बाहर से ताला लगाकर अंदर 'किस्मत आजमाने' का खेल!

शहडोल। शहर के बीचोंबीच केस्क्वायर के पीछे स्थित गुप्ता जी का मकान इन दिनों चर्चाओं में है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस मकान में लंबे समय से अवैध गतिविधियों का दौर चल रहा है। बताया जा रहा है कि यहां हर रात जुए और नशे का बड़ा खेल खेला जाता है, जिसमें शहर के कई प्रभावशाली चेहरे, यहां तक कि कुछ बैंकों के ब्रांच मैनेजर (बीएम) भी अपनी किस्मत आजमाने पहुंचते हैं।

बाहर से ताला, अंदर चलता 'खेल'

सूत्रों ने खुलासा किया है कि मकान मालिक हर बार बाहर से ताला लगाकर यह दिखाने की कोशिश करता है कि घर खाली है, जबकि

अंदर दर्जनों युवक और खिलाड़ी रातभर जुआ, सट्टा और नशे का मज़ा लेते हैं। भीतर से सब कुछ स्वतंत्र छोड़ दिया जाता है ताकि कोई बाहर से संदेह न कर सके। मकान के अंदर सिर्फ जुए की बाजी ही नहीं, बल्कि नशीले पदार्थों का भी खुलेआम इस्तेमाल किया जा रहा है। बताया गया है कि शराब, गांजा और अन्य मादक चीजें आसानी से उपलब्ध कराई जाती हैं, जिसकी जिम्मेदारी खुद मकान मालिक ने उठा रखी है। वही 'सर्विस से लेकर चौकीदारी' तक का काम संभाल रहा है।

पड़ोसियों में दहशत, प्रशासन चुप

इस पूरे घटनाक्रम से आसपास के लोगों में भय और नाराजगी है। स्थानीय निवासियों ने कई बार पुलिस से शिकायत करने की कोशिश की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का कहना है कि यह अड्डा खुलेआम शहर की कानून व्यवस्था को चुनौती दे रहा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यहां सिर्फ स्थानीय युवक ही नहीं, बल्कि कुछ बैंकों के अधिकारी, विशेषकर बीएम स्तर के लोग भी जुए में भाग लेते हैं। सूत्रों के मुताबिक, हर सप्ताह लाखों रुपये की बाजी लगाई जाती है और हारने-जीतने पर कई बार झगड़े भी होते हैं। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि जिला प्रशासन और पुलिस इस स्थान की तत्काल जांच करे और अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाए। यह मामला न सिर्फ अपराध का केंद्र बन गया है, बल्कि शहर की साख पर भी दाग लगा रहा है।

कमिश्नर ने सुनी जन समस्याएं

शहडोल। संभागायुक्त श्रीमती सुरभि गुप्ता की अध्यक्षता में संभाग के विभिन्न जिलों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें प्रस्तुत कीं। सोहागपुर निवासी गीता प्रसाद शुक्ला ने सेवानिवृत्ति उपरांत देय राशि भुगतान, अमन अली ने अनुकंपा नियुक्ति, छोटे लाल रौतेल ने धान गिरदावरी, लक्ष्मी कुमार मिश्रा ने अर्जित अवकाश दर्ज कर नकद भुगतान, प्रिया खटिक ने पीएम आवास और बिजली बिल माफी, जबकि उमरिया के प्रमोद गुप्ता ने चोरी प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की। कमिश्नर ने सभी प्रकरणों पर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवेदन भेजकर शीघ्र और पारदर्शी निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में संयुक्त आयुक्त विकास मगन सिंह कनेश सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सीतामढ़ी गंधिया में 11 हजार दीपों से आलोकित हुई देव दीपावली

भव्य दीपोत्सव में उमड़ा जन सैलाब, सांसद-विधायक ने की क्षेत्र के धार्मिक विकास की घोषणा

शहडोल। राम पथ गमन की पावन स्थली ग्राम गंधिया (सीतामढ़ी), जनपद जयसिंहनगर में मंगलवार को देव दीपावली के अवसर पर आस्था और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास, संस्कृति विभाग मध्यप्रदेश शासन एवं जिला प्रशासन शहडोल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में पूरे परिसर को 11,000 दीपों से प्रकाशित किया गया। दीपों की पंक्तियों से पूरा सीतामढ़ी क्षेत्र अलौकिक आभा में नहाया नजर आया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्रीराम और माता सीता की आराधना के साथ हुई। पुजारियों द्वारा विधिवत महाआरती संपन्न कराई गई, वहीं भक्तों ने जय श्रीराम के उद्घोष के साथ पूरा वातावरण भक्तिमय बना दिया।मुख्य अतिथि सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि ब्यौहारी क्षेत्र प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक धरोहरों से संपन्न है। उन्होंने घोषणा की कि सीतामढ़ी गंधिया को धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। डॉ. मिश्रा ने बताया कि यहां प्रतिवर्ष रामकथा और रामलीला का आयोजन किया जाएगा, साथ ही श्रीराम पथगमन मार्गों पर साइन बोर्ड लगाए जाएंगे ताकि यात्रियों को भगवान श्रीराम के वनगमन मार्ग की जानकारी मिल सके।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधायक शरद कोल ने कहा कि सीतामढ़ी गंधिया वह पवित्र भूमि है जहां प्रभु श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण ने वनवास के दौरान विश्राम किया था। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार अयोध्या में जनसहयोग से राम मंदिर का निर्माण हुआ, उसी तरह इस स्थल को भी जनसहयोग और सरकारी प्रयासों से भव्य स्वरूप दिया जाएगा। विधायक ने घोषणा की कि गंधिया ग्राम के प्रवेश मार्गों पर भव्य प्रवेश द्वार बनाए जाएंगे और

शिव मंदिर का जीर्णोद्धार किया जाएगा। साथ ही महानदी-सोन नदी संगम मार्कण्डेय से गंधिया तक पदयात्रा आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष फूलवती सिंह, जनपद अध्यक्ष मालती सिंह, एवं ग्रामीण विजय सिंह ने भी संबोधित किया। संचालन जनअभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पांडेय ने किया। देव दीपावली के इस अवसर पर पूरा सीतामढ़ी गंधिया क्षेत्र भक्ति, संस्कृति और आस्था की ज्योति से आलोकित हो उठा।

दीपोत्सव कार्यक्रम में संसदीय क्षेत्र सीधी के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र शरद जुगलाल कोल, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति, एसडीएम जयसिंहनगर सुश्री काजोल सिंह, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनन्द राय सिन्हा, उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती फूलवती सिंह, जनपद अध्यक्ष जयसिंहनगर श्रीमती मालती सिंह, सीईओ जनपद अध्यक्ष जयसिंहनगर श्रीमती शिवानी जैन, ब्यौहारी कल्पना यादव, बीईओ राजेन्द्र तिवारी, देवेन्द्र त्रिपाठी, जनपद सदस्य सहित जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा श्रृद्धालुओं ने महाआरती में भाग लिया तथा दीपदान किया।

धनपुरी में हादसे के बाद कांग्रेस नेताओं की मानवता की मिसाल

अंकित सिंह और टीम ने बचाई युवकों की जान

धनपुरी। अमलाई क्षेत्र के पास एक दर्दनाक सडक़ हादसे में घायल पड़े दो युवकों की जान कांग्रेस नेताओं की सूझबूझ और समय पर मदद से बच गई। यह घटना मंगलवार देर शाम अमलाई-धनपुरी मार्ग पर त्रिमूर्ति किराए के पास रेलवे फाटक के समीप हुई, जब शुभम गुप्ता और गोविंद पटेल, दोनों निवासी टंका टोला, अमलाई, अपने वाहन से धनपुरी की ओर आ रहे थे। अचानक हुए हादसे में दोनों युवक सडक़ किनारे गंभीर रूप से घायल होकर पड़े रहे, लेकिन आसपास से गुजरने वाले लोग मदद करने से कतराते रहे।

इसी बीच, संयोग से वहां पास ही युवक कांग्रेस नेता अंकित सिंह अपनी टीम के साथ मौजूद थे। जैसे ही उन्हें हादसे की सूचना मिली, वे तत्काल मौके पर पहुंचे। बिना देर किए अंकित सिंह ने अपनी पूरी टीम के साथ मिलकर घायल युवकों को उठाया और तत्काल ऑटो से केंद्रीय चिकित्सालय धनपुरी पहुंचाया, जहां उनका इलाज शुरू किया गया। समय पर इलाज मिलने से दोनों युवकों की जान बच सकी।

अंकित सिंह के साथ उस वक्त नगर युवा कांग्रेस अध्यक्ष सत्यकाम विक्की पटेल, जिला उपाध्यक्ष यूका आरिफ अफरीदी, आदिवासी युवा नेता प्रदीप रावत, जिला महासचिव निक्की तिवारी, महासचिव विनय रजक, सूरज महोबिया, पवन यादव, आदिल खान, मोहन, बंटी महतो और विशाल पनिका सहित कई कार्यकर्ता मौके पर सक्रिय रहे। इन सभी ने मिलकर न केवल घायल युवकों की मदद की, बल्कि पुलिस को भी सूचना देकर पूरे मामले की जानकारी दी, जिससे आगे की कार्रवाई समय पर हो सकी।

घटना के बाद क्षेत्र में कांग्रेस नेताओं की इस तत्परता और मानवता की भावना की सराहना हो रही है। स्थानीय नागरिकों ने कहा कि जब आसपास मौजूद कई लोग घायल युवकों की मदद करने से हिचकिचा रहे थे, तब कांग्रेस नेताओं ने आगे बढक़र इंसानियत की मिसाल पेश की। युवा कांग्रेस नेता अंकित सिंह ने कहा हमारी प्राथमिकता इंसान की जान है। राजनीति सेवा का माध्यम है, और किसी की जान बचाना सबसे बड़ा धर्म है।

धनपुरी क्षेत्र में इस घटना ने एक सकारात्मक संदेश दिया है कि समाज में जब भी कोई संकट की स्थिति आए, तो राजनीतिक दलों से परे इंसानियत को प्राथमिकता देना ही सच्ची सेवा है। कांग्रेस की यह टीम न केवल युवाओं के बीच प्रेरणा बनी है, बल्कि प्रशासन को भी एक उदाहरण दिया है कि जनसेवा केवल मंचों पर नहीं, बल्कि ऐसे मुश्किल वक्त में दिखाई देती है। इस घटना ने एक बार फिर यह साबित किया है कि अगर समाज के जिम्मेदार लोग आगे आएं, तो कोई भी हादसा बड़ा नहीं होता और न ही कोई इंसान असहाय रह जाता है।

एनडीपीएस एक्ट का फरार आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। जिले की धनपुरी पुलिस ने नशीली दवाओं की अवैध तस्करी के खिलाफ जारी अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के एक फरार आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। मामला 30 अक्टूबर 2025 का है, जब आरोपी शिवम तिवारी और सोनू प्रजापति के खिलाफ नशीली दवाओं की तस्करी का अपराध दर्ज किया गया था। उस समय शिवम तिवारी को गिरफ्तार किया गया था, जबकि उसका साथी सोनू प्रजापति फरार हो गया था। पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी। आखिरकार 4 नवम्बर को पुलिस ने आरोपी सुनील उर्फ सोनू प्रजापति उर्फ ऋषि पिता गणेश प्रजापति उम्र 27 वर्ष निवासी ग्राम बेम्हौरी थाना धनपुरी को पकड़ लिया। आरोपी से घटना में प्रयुक्त एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जबकि मामले में शामिल एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है। यह कार्रवाई थाना प्रभारी खेमसिंह पेन्द्रो के नेतृत्व में की गई, जिसमें उपनिरीक्षक आर.पी. प्रजापति, सहायक उपनिरीक्षक भारत सिंह, आरक्षक अजय सिंह, अमित, राजेश शर्मा, रामनाथ, दिनेश एवं रूपकुमारी की भूमिका रही।

कार्तिक पूर्णिमा नदी के घाटों में उमड़ा जनसैलाब, आस्था में डूबे श्रद्धालु

प्रशासन ने की सुरक्षा व स्वच्छता की व्यवस्था, मेले जैसा रहा माहौल

मां नर्मदा के तट पर लगाई पुण्य स्नान की डुबकी, किया दीपदान और पूजन-अर्चन

कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर पवित्र नगरी अमरकंटक मे श्रद्धालुओं का जमघट दिखा वही पूरे जिले में आस्था और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। पतित पावनी पुण्यसलिला मां नर्मदा जी के कोटि तीर्थ, कुंड एवं रामघाट में सुबह से ही श्रद्धालुओं, पर्यटकों और तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भोर की पहली किरण के साथ ही भक्तों द्वारा पुण्य स्नान, पूजन-अर्चन और दीपदान का क्रम प्रारंभ हो गया। श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा उद्गम स्थल परिसर में दर्शन कर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए मन्नत मांगी। दूसरी ओर कार्तिक पूर्णिमा एवं देव दीपावली के लिए बुधवार को जिला मुख्यालय समेत कोतमा, बिजुरी, राजनगर, रामनगर, भालूमाड़ा, जमुना कालरी, राजेन्द्रग्राम, चचाई, जैतहरी के नदी घाटों में स्नान करने वाले लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

सुबह चार बजे से शुरू हुआ स्नान-पूजन, जयघोषों से गूंज उठा नदी घाट

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर जिले भर मे नदी के तट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने पवित्र नदी में स्नान किया और पूजा-अर्चना की। माना जाता है कि इस दिन नदी में स्नान करने से पाप धुल जाते हैं। प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। घाटों पर आस्था और उत्साह का माहौल था। सुबह की पहली किरण के साथ ही घाटों पर आस्था का सैलाब दिखाई दिया। हजारों श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान कर मोक्ष की कामना की। सुबह चार बजे से ही श्रद्धालुओं का तांता लग गया था। श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद मंदिरों में पूजा-अर्चना की और दीपदान किया। घाटों पर भक्ति और उल्लास का माहौल था। जिला मुख्यालय मे मड़फा तालाब सहित सोन व तिपान नदी के तटों पर श्रद्धालुओं का भारी हुजूम उमड़ा।

अमरकंटक में उमड़ी आस्था

पवित्र नगरी अमरकंटक मे घाटों पर दीपों की जगमगाहट और श्रद्धा से भरे स्वर वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार कर रहे थे। नर्मदा मंदिर में भी भक्तगण भगवान भोलेनाथ पर जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना कर रहे थे। दर्शन के लिए श्रद्धालु कतारबद्ध होकर अपनी बारी की प्रतीक्षा में रहे। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल सहित देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु अमरकंटक पहुंचे हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु, भगवान भोलेनाथ और कार्तिकेय देव की पूजा-अर्चना का विशेष महत्व माना जाता है। इस दिन किया गया स्नान, दर्शन और दीपदान अत्यंत फलदायी और शुभ फल प्रदान करने वाला माना गया है। कार्तिक पूर्णिमा के इस पुण्य पर्व पर अमरकंटक के घाटों, मंदिरों और मार्गों में भक्ति और उत्सव का अद्भुत दृश्य देखने को मिला।

केवई नदी के घाटों में श्रद्धालुओं की भीड़

कोतमा नगर सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्र में कार्तिक पूर्णिमा एवं देव दीपावली के लिए बुधवार को केवई नदी के घाटों में स्नान करने वाले लोगों की भीड़ उमड़ी। लोग सुबह से लेकर देर शाम तक नदी किनारे पहुंचे। स्नान के बाद पूजा कर नदी में दीपदान किया। कोतमा नगर के पंचायती मंदिर मे सुबह से ही भक्ति का माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मंदिर परिसर मे जमा थी। कार्तिक मास प्रारंभ होते ही महिलाएं सुबह स्नान के पश्चात मंदिर पहुंचकर विधि विधान से पूजन अर्चन करती है। बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर महिलाओं की भारी भीड़ रही। महिलाओं ने विधि विधान से लक्ष्मी नारायण भगवान भोलेनाथ एवं तुलसी की पूजा अर्चना कर कथा सुनी एवं रोट पंजीरी का भोग लगाया। महिलाओं ने बैंड बाजे की थाप पर उत्सव मनाया। लोग प्रदोष काल के समय स्नान आदि कर दीपदान करते हैं एवं दान पुण्य करते हैं। जबकि शाम के समय भगवान शिव की पूजा करते हैं। कार्तिक पूर्णिमा एवं देव दीपावली के अवसर पर महिलाओं ने केवई नदी मे आस्था की डुबकी लगाई। केवई नदी के जमुड़ी घाट पर स्नान आदि करने आने वाले श्रद्धालुओं के लिए नगरपालिका द्वारा टेंट, हाई मास्क लाइट एवं जगमग रोशनी की व्यवस्था की गई थी। जबकि घाटों पर आकर्षक विद्युत सज्जा भी किया गया था। नगर पालिका के द्वारा नगर से केवई नदी तक पहुंचने के लिए बस की व्यवस्था भी किया गया था। स्नान और दीपदान को लेकर श्रद्धालुओं में अत्यधिक उत्साह देखा जा रहा था। बुधवार को हजारों की संख्या में श्रद्धालु पवित्र स्नान करते हुए दीप दान किये जिससे क्षेत्र में भक्ति और उल्लास का माहौल बना हुआ था। दीपदान के बाद सरोवर किनारे जमकर आतिशबाजी भी की गई।

1000 अश्वमेध व सौ राजसूय यज्ञ के बराबर फल

कार्तिक पूर्णिमा बहुत ही पवित्र दिन माना जाता है। इस दिन गंगा स्नान और दान से सभी जन्मों के पापों से मुक्ति मिलती है। इस दिन विधि-विधान से पूजा अर्चना करना ना केवल पवित्र है, बल्कि इससे समृद्धि भी आती है। कष्ट दूर होते हैं। वैदिक मान्यता के मुताबिक इस दिन पूजा करने से कुंडली धन और शनि के दोष दूर होते हैं। तीर्थस्थलों पर यह बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। श्रद्धालु नदियों में स्नान कर दीपदान करते हैं। वैदिक मान्यता के अनुसार इस दिन उपवास करने से एक हजार अश्वमेध और सौ राजसूय यज्ञ के बराबर फल प्राप्त होता है। इस दिन का जुड़ाव भगवान शंकर से है। पौराणिक कथाओं के मुताबिक भगवान शिव ने इसी दिन त्रिपुर नामक राक्षस का वध किया था। त्रिपुर ने एक लाख वर्ष तक प्रयाग में भारी तपस्या कर ब्रह्मा से मनुष्य और देवताओं के हाथों ना मारे जाने का वरदान हासिल किया था।

रामपुर बटुरा खदान में कालरी प्रबंधन की लापरवाही ने ले ली 5 गायों की जान

जहरीला पानी पीने से गायों की मौत पर ग्रामीण आक्रोशित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिला मुख्यालय से लगे रामपुर बटुरा कोयला खदान मे एक बार फिर जहरीले ब्लास्टिंग पानी ने पांच गायों की जिंदगी छीन ली। ऐसी घटना यहां पहली बार नही हुई है बल्कि इसके पूर्व भी प्रबंधन की लापरवाही से 6 गायों की मौत हुई थी। पांच गायों की मौत के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रशासन से नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि जो भी गैर जिम्मेदाराना तरीके से ब्लास्टिंग के जिम्मेदार हैं उस पर त्वरित और कड़ी कार्यवाही होनी चाहिये। ग्रामीण ब्लास्टिंग के लिए गौरव गुरिया, निलेश प्रजापति पर आरोप लगाते हुये उन्हे जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। गौरव गुरिया के ऊपर ग्रामीणों की नाराजगी देखी जा रही है। ग्रामीणों में प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि ऐसे ही लापरवाहीपूर्ण कार्य किया जाता रहा तो मजबूरन रामपुर खदान बंद करनी पड़ेगी। मिली जानकारी के अनुसार पांच गायों की मौत की जानकारी होने के बाद भी प्रबंधन का कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। महेश शिफ्टिंग इंचार्ज अखिलेश्वर मिश्रा अमलाई थाना से वेट विभाग प्रभारी अमृतलाल परस्ते पहुंचकर गायों का पोस्टमार्टम करवा कर पांचो गायों को एक जगह ही दफन करवा दिए। किसान नेता सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा, जनपद सदस्य चंद्र कुमार तिवारी एवं रमाकांत मिश्रा, उप सरपंच राजा राम मिश्रा, सरपंच रामपुर झूले बैगा, ट्रांसपोर्टर एवं सामाजिक कार्यकर्ता अखिलेश त्रिपाठी ने प्रबंधन से पांच गायों की मौत के मामले मे न्यायिक जांच की मांग की है। ज्ञात हो कि खदान से गोपला नाला 500 मीटर का सफर तय कर कठना नदी में मिलती है और आगे जाकर सोन नदी में मिलती है। रामपुर बटुरा ओसीएम कोयला खदान से गोपला नाला में 24 घंटे बारूद वाला दूषित पानी पंप के द्वारा छोड़ा जाता है। ऐसी ही एक घटना मे 6 गौवंशों की मौत हो गई थी उस समय प्रबंधन ने मामले मे लीपा पोती कर मामला दबा दिया था। जब इस मामले मे रामपुर बटुरा सबएरिया आरबी शर्मा से बातचीत करने का प्रयास किया गया तो उन्होने फोन उठाना भी मुनासिब नही समझा। जबकि एक बार पूरी घंटी गई वही दूसरी बार वह बिजी रहे तथा तीसरी बार फोन कट कर दिया।

हाथी की आहट ने फिर ग्रामीणों को किया बेचैन

चोलना में प्रवेश करने की संभावना, वनविभाग ने किया सतर्क

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

एक बार फिर छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा से मध्यप्रदेश की सीमा में एक दांत वाला एक नर हाथी के प्रवेश करने की संभावना बन रही है। यह हाथी बुधवार की सुबह मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिला अंतर्गत जैतहरी तहसील के चोलना गांव एवं वन बीट से लगे छत्तीसगढ़ के वन परिक्षेत्र मारवाही अंतर्गत सिवनी बीट के जंगल में पहुंचकर विश्राम कर रहा है जिसके देर रात अनूपपुर जिले में प्रवेश करने की संभावना को देखते हुए वन विभाग द्वारा हाथी के संभावित विचरण क्षेत्र के ग्रामीणों को देर शाम एवं रात के समय सतर्क एवं सावधान रहने की अपील की है। एक अकेला एक दांत वाला नर हाथी तीन-चार दिन पूर्व छत्तीसगढ़ राज्य के कटघोरा वन मंडल अंतर्गत पसान वन परिक्षेत्र से मरवाही वन परिक्षेत्र में पहुंचकर निरंतर विचरण करते हुए मंगलवार के दिन घुसरिया बीट के जंगल में विश्राम करने बाद देर रात जंगल से निकल कर घुसरिया, कुम्हारी, पथर्री, घिनौची, जल्दाटोला होते हुए बुधवार की सुबह शिवनी बीट अंतर्गत डडिया गांव से लगे जंगल में पहाड़ के ऊपर पहुंचकर विश्राम कर रहा है यह क्षेत्र मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिला अंतर्गत जैतहरी तहसील के वन बीट एवं ग्राम पंचायत चोलना की सीमा से 5 किलोमीटर की दूरी पर है। यह हाथी पहले भी कटघोरा वन मण्डल के पसान से मरवाही हो कर अनूपपुर जिले में प्रवेश कर जैतहरी, अनूपपुर, राजेंद्रग्राम, अहिरगवां, उमरिया के घुनघुटी, शहडोल के शहडोल एवं बुढार के इलाकों में विचरण करते हुए विगत दो माह पूर्व मरवाही से पसान होकर अपने बड़े ग्रुप में जाकर परिवार में रहा है, एक हाथी के आने की संभावना को देखते हुए वनविभाग द्वारा हाथी के संभावित विचरण क्षेत्र के ग्रामीणों को सचेत एवं सतर्क रहने की अपील की है।

हर्षोल्लासपूर्वक मनाई गई गुरु नानक देव जयंती

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

वार्ड क्रमांक 3 स्थित सैकड़ों वर्ष पुरानी ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब में गुरु नानक जयंती का आयोजन हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ किया गया। परंपरानुसार 4 नवंबर को निशान साहिब का चोला परिवर्तन किया गया। इसके पश्चात 5 नवंबर को प्रातः काल शब्द-कीर्तन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके बाद सुखमणि साहिब का पाठ एवं महिलाओं द्वारा लेडीज़ संगीत भजन का आयोजन हुआ। भजन-कीर्तन के उपरांत श्रद्धा-भाव से अरदास की गई और तत्पश्चात बृहद लंगर का आयोजन हुआ, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने लंगर का प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों में विशेष उत्साह देखा गया। पूरे गुरुद्वारा परिसर को रंग-रोगन कर आकर्षक लाइटिंग से सजाया गया था। गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के अध्यक्ष करतार सिंह ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़ कर भागीदारी की। गुरु नानक देव जी के उपदेशों से प्रेरित होकर सभी ने देश में अमन, चैन एवं शांति की कामना की। इस अवसर पर सभी धर्मों के लोगों ने गुरु ग्रंथ साहिब के दर्शन करते हुए एक-दूसरे को बधाइयाँ दीं। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु नगर पालिका प्रशासन द्वारा सफाई एवं शुद्ध पेयजल की व्यवस्था के साथ ही सुरक्षा प्रबंध भी किए गए।

संभाग का पहला टूर्नामेंट जिसमें नीलामी कराया गया

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

क्षेत्र में पहली बार मेडियारास एमपीएल में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन रखा जा रहा है जिसमें आज 5 नवंबर बुधवार को खिलाड़ियों का नीलामी हुआ जिसमें 101 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, टूर्नामेंट में कुल 16 टीमों ने भाग लिया है। ऑक्शन के इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पुष्पराजगढ़ विधानसभा के विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को, विधानसभा अध्यक्ष (कांग्रेस) आशुतोष सिंह मार्को तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में शकील हुसैन, आजाद खान (काजू) अजय मार्को, राजेंद्र सिंह बनाफर मौजूद रहे। प्रतियोगिता के आयोजक मुकेश कुमार सिंह लाला (ब्लॉक अध्यक्ष युवा कांग्रेस पुष्पराजगढ़) के इस आयोजन से क्रीडा क्षेत्र में काफी उत्साह आएगा ऐसी उम्मीद विधानसभा क्षेत्र की जनता कर रही है। इस क्रिकेट टूर्नामेंट के नीलामी में बीजापुरी डिंडोरी के खिलाड़ी सचिन पट्टा सबसे अधिक प्राइस 7000 में जोगी टिकरिया टीम के लिए सोल्ड आउट हुआ। कार्यक्रम के सहसंयोजक ताज इलेवन मेडियारास के सभी खिलाड़ी व मुख्य कार्यकर्ता हासिम खान, रहबर खान, राम सिंह, मो.कैफ, भीषम सिंह, दानिश खान को सभी खिलाड़ियों ने धन्यवाद अर्पित किया तथा भविष्य में इस आयोजन को विशाल कार्यक्रम के रूप में कराए जाने की उम्मीद जताई गई।

राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर चार चरणों में आयोजित होंगे कार्यक्रम

देशभक्ति की भावना को मिलेगा नया आयाम

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ देशभर में 7 नवंबर 2025 से 7 नवंबर 2026 तक समारोह पूर्वक आयोजित किए जाने का निर्णय लिया गया है। यह निर्णय निश्चित ही भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में इस गीत की भूमिका और इसके स्थाई सांस्कृतिक विरासत के महत्व को प्रदर्शित करता है। वंदे मातरम के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के दृष्टिगत वर्ष भर विविध गतिविधियां चार चरणों प्रथम 7 से 14 नवंबर 2025 (शुभारंभ), द्वितीय 19 से 26 जनवरी 2026 (गणतंत्र दिवस), तृतीय 7 से 15 अगस्त 2026 (हर घर तिरंगा अभियान के साथ) तथा चतुर्थ 1 से 7 नवंबर 2026 (समापन सप्ताह) में व्यापक रूप से आयोजित किया जाएगा। उक्ताशय की जानकारी देते हुए कलेक्टर हर्षल पंचोली ने बताया कि इन आयोजनों में सभी स्तरों पर आम नागरिकों की सहभागिता के साथ-साथ विद्यालय, महाविद्यालय, छात्र-छात्राएं, जनप्रतिनिधि, शासकीय अधिकारी- कर्मचारी पुलिस कर्मी, डॉक्टर, शिक्षक, व्यवसायी एवं अन्य सभी प्रकार के सामाजिक संगठनों की सहभागिता सुनिश्चित की जानी है उन्होंने इस संबंध में शासन के दिशा निर्देशानुसार चरण बद्ध आयोजनों के लिए कार्य योजना बनाकर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक आज

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक गुरुवार 06 नवंबर 2025 को अपरान्ह 12 बजे कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में आयोजित की गई है। उक्ताशय की जानकारी जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने दी है। उन्होंने सर्व संबंधितों से नियत दिनांक को निर्धारित स्थान व समय में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने की अपील की है। बैठक के एजेण्डा अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 की डीपीडीपी की अनुमोदित कार्ययोजना स्वीकृत कार्यों की अद्यतन जानकारी पर चर्चा, नरेगा अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 स्वीकृत कार्यों की प्रगति मूल्यांकन पर चर्चा,लोक निर्माण, जल संसाधन, ग्रामीण यांत्रिकी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, पीडब्ल्यूडी (पीआईयू) एवं प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक योजना विभाग अंतर्गत कार्यों की समीक्षा एवं चर्चा,अनूपपुर जिला में अदानी पावर प्रोजेक्ट (वेलस्पन) एवं अदानी कोल ब्लॉक या कोल माइन लामाटोला, रिलायंस गैस परियोजना आदि को जिला प्रशासन द्वारा आवंटित निजी, शासकीय, वन भूमि आवंटित की गई भूमियों की जानकारी एवं दस्तावेजो का अवलोकन,अडानी थर्मल पावर-उमर्दा द्वारा पडौर के सोन नदी से पानी ले जाने हेतु निजी काश्तकारों, शासकीय, वन भूमि जिसमें पाइपलाइन लगाना है उक्त कार्य बावत अर्जित की गई या की जा रही भूमियों के संबंध में जानकारी एवं दस्तावजों का अवलोकन,अन्य बिन्दु (अध्यक्ष महोदया की अनुमति से)पर चर्चा की जाएगी।

7 युवाओं ने सड़क दुर्घटना में दी नई जिदगी, बने राहवीर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले के सात युवाओं ने सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की जान बचाकर मानवता की मिसाल पेश की है। ये सभी युवा “राहवीर” बनकर आगे आए और संकट की घड़ी में घायलों को अस्पताल पहुँचाकर उनका अमूल्य जीवन बचाया। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान के निर्देश पर इन सभी राहवीरों के प्रकरण तैयार कर पुरस्कार हेतु भेजे गए हैं। पुलिस अधीक्षक का संदेश है कि “जो बचाए जान, उन्हें मिले सम्मान” ताकि अधिक से अधिक लोग भी इस मानवीय कार्य के लिए प्रेरित हों।

ये युवा बने राहवीर

महेंद्र, निवासी अनूपपुर, रमाधार रजक, निवासी पसला, प्रफुल्ल प्रजापति, निवासी सिलपुर कोतमा, अनिकेत कुमार, निवासी कोतमा, सुदर्शन प्रसाद लोनी, निवासी कोतमा, राहुल सोनी, निवासी बिजली ऑफिस के पास, कोतमा और गजेंद्र कुमार मिश्रा, निवासी फुलकोना, रामनगर ने राहवीर बनकर लोगों की जान बचाई। अनूपपुर पुलिस ने जिले वासियों से अपील की है कि सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की सहायता करें, समय पर अस्पताल पहुँचाने में सहयोग दें और “राहवीर अभियान” से जुड़कर समाज में मानवता का संदेश फैलाएँ।

घर में मिली महिला की संदिग्ध लाश, गांव में मचा हड़कंप

शहपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम मंगेला सूरजपुरा में हुई घटना

शहपुरा। शहपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम मंगेला सूरजपुरा में उस समय सनसनी फैल गई जब गांव की महिला सोनवती परस्ते पति अशोक परस्ते का शव उसके ही घर के अंदर संदिग्ध अवस्था में मिला। अचानक हुई इस घटना से पूरे गांव में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही शहपुरा पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्यवाही करते हुए शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शहपुरा भेजा, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, मृत्यु के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। पुलिस विभिन्न पहलुओं से मामले की जांच में जुटी हुई है।